

## जब साजन ने खोली मोरी अंगिया-7

“मायके में मैं मैके अपने आई सखी, कई दिन साजन से दूर रही मन मयूर मेरा नाच उठा, जब साजन मेरे घर आया उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !. एकांत जगह मेरे घर में, बाँहों में मुझको कैद किया मेरे होंठों को होंठों से,  
सखी जोंक [...] ...”

Story By: Antarvasna अन्तर्वसना (antarvasna)

Posted: रविवार, अक्टूबर 6th, 2013

Categories: [हिंदी सेक्स कहानी](#)

Online version: [जब साजन ने खोली मोरी अंगिया-7](#)

# जब साजन ने खोली मोरी अंगिया-7

## मायके में

मैं मैके अपने आई सखी, कई दिन साजन से दूर रही

मन मयूर मेरा नाच उठा, जब साजन मेरे घर आया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

एकांत जगह मेरे घर में, बाँहों में मुझको कैद किया

मेरे होंठों को होंठों से, सखी जोक की भांति जकड़ लिया

मैं भी न चाहूँ होंठ हटें, साजन को करीब और खींच लिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

कुछ हलचल हुई, मैं चौंक गई, साजन को परे हटाय दिया

रात में मिलूंगी साजन ने, सखी मुझसे वादा धराय लिया



उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

जैसे-तैसे तो शाम हुई, रात्रि तो मुझे बड़ी दूर लगी

होते ही रात सखी साजन को, बहनों ने मेरी घेर लिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

हँसी ठिठोली बहनों की, मुझको बिल्कुल न भाई सखी

सिरदर्द के बहाने मैंने तो, बहनों से किनारा काट लिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

अपने कमरे में आकर मैं, सखी बिस्तर पर थी लेट गई

बंद करके आँखें पड़ी रही, साजन के सपनों में डूब गई

हर आहट पर सखी मैंने तो, साजन को ही आते पाया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.



दरवाजे खुले फिर बंद हुए, कुण्डी उन पर सरकाई गई  
 मैं जान-बूझकर सुन री सखी, निद्रा-मुद्रा में लेट गई  
 साजन की सुगंध को मैंने तो, हर साँस में था महसूस किया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 साजन ने बैठकर बिस्तर पर, मेरे कंधे सहलाए सखी  
 गालों पर गहन चुम्बन लेकर, अंगिया की डोर को खींच दिया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 नग्न पीठ पर साजन ने, ऊँगली से रेखा खींच दी  
 बिजली जैसे मुझमे उतरी, सारे शरीर में दौड़ गई  
 निश्वास लेकर फिर मैंने तो, अपनी करवट को बदल लिया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 करवट तो मात्र बहाना था, बेचैन बदन को चैन कहाँ



मुझे साजन की खुशबू ने सखी, अंग लगने को मजबूर किया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

एक हाथ से उसने सुन ओ सखी, स्तन दबाये और भींच लिया

मैंने गर्दन को ऊपर कर, उसके हाथों को चूम लिया

दोनों बाँहों से भींच मुझे, साजन ने करीब और खींच लिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

साजन ने जोर लगा करके, मोहे अपने ऊपर लिटा लिया

मेरे तपते होंठों को उसने, अपने होंठों में कैद किया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

उसने भींचा मेरा निचला होंठ, मैंने ऊपर का भींच लिया

दोनों के होंठ यूँ जुड़े सखी, जिह्वाओं ने मिलन का लुत्फ़ लिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !



.  
 साजन ने उठाकर मुझे सखी, पलंग के नीचे फिर खड़ा किया  
 खुद बैठा पलंग किनारे पर, मेरा एक-एक वस्त्र उतार दिया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 मुझे पास खींचकर फिर उसने, स्तनों के चुम्बन गहन लिया  
 दोनों हाथों से नितम्ब मेरे, सख्ती से दबाकर भींच लिया  
 कई तरह से उनको सहलाया, कई तरह से दबाकर छोड़ दिया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 स्तन मुट्ठी में जकड़ सखी, उसने उनको था उभार लिया  
 उभरे स्तन को साजन ने, अपने मुंह माहि उतार लिया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 घुण्डियों को जीभ से उकसाया, होंठों से पकड़ उन्हें खींच लिया



रस चूसा सखी उनसे जी भर, मेरी कामक्षुधा भड़काय दिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

साजन का दस अंगुल का अंग, सखी मेरी तरफ था देख रहा

उसकी बेताबी समझ सखी, मैंने उसको होंठस्थ किया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

पलंग के कोर बैठा साजन, मैं नीचे थी सखी बैठ गई

साजन के अंग पर जिह्वा से, मैंने तो चलीं कई चाल नई

वह ओह-ओह कर चहुंक उठा, मैंने अंग को ऐसा दुलार किया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

अब सब कुछ था विपरीत सखी, साजन नीचे मैं पलंग कोर

जिस तरह से उसने चूसे स्तन, उसी तरह से अंग को चूस लिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !



.  
 उसने अपनी जिह्वा से सखी, अंग को चहुँ ओर से चाट लिया  
 बहके अंग के हर हिस्से को, जिह्वा-रस से लिपटाय दिया  
 रस में डूबे मेरे अंग में, अन्दर तक जिह्वा उतार दिया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 मैं पलंग किनारा पकड़ सखी, अंग को उभार कर खड़ी हुई  
 साजन ने मेरे नितम्बों पर, दांतों से सिक्के छाप दिया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 उसके विपरीत मुख करके सखी, घुटनों के बल मैं बैठ गई  
 कंधे तो पलंग पर रहे झुके, नितम्बों को पूर्ण उठाय दिया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 साजन ने झुककर पीछे से, अंग ऊपर से नीचे चाट लिया





खुले-उभरे अंग में उसने, जिह्वा को अंग बनाय दिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

साजन ने अपने अंग से सखी, मेरे अंग को जी भरके रगड़ा

अंग से स्रावित रस में अंग को, सखी पूर्णतया लिपटाय लिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

कठोर-सख्त अंग से री सखी, रस टपक-टपक कर गिरता था

दस अंगुल की चिकनी सख्ती, मेरे अंग के मध्य घुसाय दिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.

जांघों के सहारे उठे नितम्ब, अब स्पंदन का सुख भोग रहे

स्पंदन की झकझोर से फिर, स्तन दोलन से डोल रहे

सीत्कार, सिसकी, उई, आह, ओह, सब वातावरण में घोल दिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !



ऐसे स्पंदन सखी मैंने, कभी सोचे न महसूस किये

पूरा अंग बाहर किया सखी, फिर अन्तस्थल तक टेल दिया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

मैंने अंग में महसूस करी, अंग की कठोर पर मधुर छुहन

अंग की रसमय मधुशाला में, अंग ने अंग को मदहोश किया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

पहले तो थे धीरे-धीरे, अब स्पंदन क्रमशः तेज हुए

अंग ने अब अंग के अन्दर ही, सुख के थे कई-कई छोर छुए

तगड़े गहरे स्पंदन से, मेरा रोम-रोम आह्लाद किया

उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

साजन ने अब जिह्वा रस की, एक धारा नितम्ब मध्य टपकाई



उसकी सारी चिकनाई सखी, हमारे अंगों ने सोख लई  
 चप-चप, लप-लप की ध्वनियों से, सुख के द्वारों को खोल दिया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 जैसे-जैसे बढ़े स्पंदन, वैसे-वैसे आनन्द बढ़ा

हर स्पंदन के साथ सखी, सुख घनघोर घटा सा उमड़ पड़ा  
 साजन की आह ओह के संग, मैंने आनंदमय सीत्कार किया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 बारिशस होने के पहले ही, सखी मेरा बांध था टूट गया  
 मेरी जांघों ने जैसे कि नितम्बों का साथ था छोड़ दिया  
 अंग का महल ढह गया सखी, दीर्घ आह ने सुख अभिव्यक्त किया  
 उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !

.  
 मेरे नितम्बों के आँगन पर, साजन ने मोती बिखेर दिया



साजन के अंग ने मेरे अंग को, सखी अद्भुत यह उपहार दिया  
आह्लादित साजन ने नितम्बों का, मोती के रस से लेप किया  
उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !  
. . .  
मोती रस से मेरी काम अगन, मोती सी शीतल हुई सखी  
मन की अतृप्त इस धरती पर, घटा उमड़-उमड़ कर के बरसी  
मैंने साजन का सिर खींच सखी, अपने वक्षों में छुपाय लिया  
उस रात की बात न पूछ सखी, जब साजन ने खोली मोरी अंगिया !



## Other stories you may be interested in

### बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-9

अब तक आपने पढ़ा.. मेरी बीवी और उसका चोदू यार डॉक्टर नंगे होकर बाथरूम में नहाते हुए चुदाई कर रहे थे। अब आगे.. मैं उनके कमरे में आने से पहले ही पहले बाहर आ गया था। नेहा की आवाज आई- [...]

[Full Story >>>](#)

### साली जीजा से शादी करना चाहती थी-1

मैं प्रथम अपनी हिंदी सेक्स स्टोरी लेकर हाज़िर हूँ। यह वाकिया अभी से कुछ दिनों पहले का ही है.. जब मेरा किसी काम से बाहर अपनी साली के गाँव में जाना हुआ। मेरी साली पलक.. जिसकी उम्र करीब 28 साल [...]

[Full Story >>>](#)

### लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग- 46

मुझे शरारत सूझी तो मैंने हल्के से पापा जी को देखा, वो मेरी तरफ नहीं देख रहे थे तो मैं मौके का फायदा उठाते हुए वेटर को दिखाते हुए अपनी चूत को खुजलाने लगी। Lagi Lund Ki Lagan Mai Chudi [...]

[Full Story >>>](#)

### गोवा में सेक्स भरी मस्ती-2

दोस्तो, मैं फेहमिना अपनी कहानी के आगे का भाग लेकर हाज़िर हूँ। उस रात हम दोनों बहनों ने आपस में लेस्बियन सेक्स करके पूरा मज़ा लिया मगर हम दोनों जल्दी सो गई थी क्योंकि अगले दिन हम दोनों को गोवा [...]

[Full Story >>>](#)

### पुलिस वाली की चूत का चक्कर-1

सभी इंडियन कॉलेज गर्ल, भाभी को और आन्टी को अरमान का खड़े लंड का नमस्कार! दोस्तो, मेरा नाम अरमान है, उम्र 24 साल है, कद भी ठीक-ठाक ही है। मैं इंदौर का रहने वाला हूँ। मेरी कमजोरी शादीशुदा और भरी-पूरी [...]

[Full Story >>>](#)





## Other sites in IPE

### Antarvasna Gay Videos



Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

### Savitha Bhabhi



Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

### Meri Sex Story



मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उतेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

### Sex Chat Stories



Daily updated audio sex stories.

### Antarvasna Shemale Videos



Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

### Tamil Kamaveri



சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்